Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
Date:-06-10-20

Gestalt Psychology

Basic tenents of Gestalt School

1912 में जिस साल जेम्बी वाट्सन ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय में कई व्याख्यान दिए तथा जिसके परिणामस्वरूप 1913 में व्यवहारवाद की औपचारिक स्थापना हुई, मैक्स वर्दाइमर (Max Wertheimer) ने आभासी गति (apparent movement) पर किए गए प्रयोगों का एक संयुक्त विश्लेषण प्रस्तुत किया। ये प्रयोग वुल्फगैंग कोहलर (Wolfgang Kohler) तथा कर्ट कोफ्का (Kurt Koffka) के सहयोग से किया गया था। इस सब प्रयोग के आधार पर मैक्स वर्दाइमर द्वारा जिस सम्प्रदाय की स्थापना की गई, उसे गेस्टाल्ट मनोविज्ञान कहा गया, जो मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण जर्मन स्कूल (German School) साबित हुआ। कोहलर तथा कोफ्का इस स्कूल के सहसंस्थापक माना गया।

अंग्रेजी भाषा में 'गेस्टाल्ट' (Gestalt) का कोई वास्तविक अनुवाद तो नहीं है परन्तु कुछ पदों जैसे प्रारूप (Form), आकार (Shape), या "आकृति" (configuration) का उपयोग किया जाता है। इस स्कूल का प्रारंभ में प्रत्यक्षण के अध्ययन में काफी जोड़ रहा। इस स्कूल की मुख्य अवधारणा यह थी की समग्रता का प्रत्यक्षण (perception of whole) उसके अंशो (Parts) के प्रत्यक्षण का योग (Sum)

नहीं होता है। बाद में चलकर गेस्टाल्ट मनोविज्ञान ने अपना कार्यक्षेत्र सीखना, चिन्तन तथा स्मृति को भी बनाया। परिणाम स्वरूप 1930 वाले दशक तक गेस्टाल्ट मनोविज्ञान ने अपने आप को मनोविज्ञान के एक सम्प्रदाय के रूप में पूर्णतः स्थापित कर लिया। कर्ट लेविन (Kurt Lewin), आर० एच० व्हीलर (R.H. Wheeler), ई० सी० टोलमैन तथा रोजर बार्कर (Roger Barker) को इस स्कूल का विकासक (Developer) माना गया है।

End.

Scanned with CamScanner